	भाग अ – परिचय		
कार्यक्रम का प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (ताल वाद्य)	सत्रः 2025–26	

क्रं.	A1-MSTV3T	
1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का सैद्धांतिक अध्ययन (प्रश्न पत्र –3)
2	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / तबला / पखावज)	कोर कोर्स (मेजर) सैद्धांतिक
3	पूर्वापेक्षा (Pre-riquisite)यदि कोई हो	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय संगीत कक्षा / 12वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो।
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय संगीत परंपरा से परिचित कराना। 2. भारतीय प्राचीन सांगितिक ग्रंथों का ज्ञान। 3. विद्यार्थियों को तालिपि पद्धति से परिचित कराना। 4. लय तथा लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान। 5. विद्यालयीन संगीत शिक्षण व्यवस्था एवं उसमें रोजगार के अवसरों को जानना।
5	क्रेडिट मान	06
6	कुल अंक	अधिकतम अंकः 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
i	**भारतीय ज्ञान परंपरा के सन्दर्भ में –** 1. नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय। 2. संगीत रत्नाकर ग्रंथ का सामान्य परिचय। 3. प्राचीन अवनद्ध वाद्यों का सामान्य परिचय। **गतिविधि** – इकाई से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्नो का निर्माण	12 घंटें
ii	1. तबला वाद्य की उत्पत्ति का संक्षिप्त इतिहास। 2. ध्वनि, स्वर, सप्तक, आवर्तन की परिभाषाएँ । 3. उत्तर भारतीय ताल पद्धति एवं दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का सामान्य अध्ययन । **गतिविधि** – इकाई से सम्बन्धित विषय पर समूह चर्चा।	12 घंटें
iii	1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान। उ. अहमद जान थिरकवा, पं. रामसहाय, उ. हबीबुद्दीन खॉ, पं. कुदउ सिंह। 2. अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोषों का अध्ययन। 3. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन के विभिन्न आयाम **गतिविधि** –भारत के महत्वपूर्ण सांगीतिक समारोह का चार्ट तैयार करना।	12 घंटें

Dr. Nagesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)

iv	1. तीनताल में 'तेटे और तिरकिट बोलों पर आधारित दो प्रारंभिक कायदों का पल्टों सहित लिपिबद्ध करने का ज्ञान। 2. पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन लय में लिपिबद्ध करने का ज्ञान। 3. विद्यालयीन संगीत शिक्षण एवं उसकी उपयोगिता तथा उसमें निहित रोजगार के अवसर। **गतिविधि** – संगीत शिक्षण से निहित रोजगार के अवसरों पर समूह परिचर्चा	12 घंटें
V	**निबंध लेखन –** 1. गुरू शिष्य परंपरा। 2. लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत। 3. भारतीय संगीत में तालों का महत्व। **गतिविधि**– भारतीय संगीत की गुरू शिष्य परंपरा विषय पर परिचर्चा।	12 घंटें

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तके, सदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रथ/अन्य/पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामाग्रीः लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक" प्रकाशन नाम, शहर/ संस्करण नं. यदि कोई हो। 1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशन–लक्ष्मीनारायण गर्ग, संगीत कार्यलय हाथरस 2. ताल परिचय , डॉ0 गिरीशचंन्द्र श्रीवास्तव, भाग–1 3. ताल परिचय भाग–2 गिरीशचंन्द्र श्रीवास्तव 4. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः		
भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियांः		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियांः अधिकतम अंकः 100		
आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट/ असाइमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रजेंटेंशन)	कुल अंकः 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षाः	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न(प्रत्येक 50 शब्द) अनुभग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x08=32 02x15=30 कुल अंक 70

Dr. Nagesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)

		Part A Intrduction	
Program: Certificate Course		**Class BA 1st Year**	**Session: 2025-26**
Subject : Taal Vadhya (Tabla/Pakhawaj)			
1	**Course Code**	**A1-MSTV3T**	
2	**Course Title**	**Theorical study of Indian Music.(Paper3)**	
3	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/..tabla/pakhawaj)**	**Core Course (major)**	
4	**Pre-requisit (if any)**	**To study this course, a student must have had the subject music in class/12th /certificate/diploma.** **.....** **This course can be opted as an elective by the students of following subjects:...../Open for all**	
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	1. Introduce students to indian music tradition throught syllabus. 2. Knowledge of ancient Indian musical texts. 3. Introduce students of taal Notation system. 4. Knowledge of writing in laya and laykari. 5. To know about the music education system in schools and the employment.	
6	**Credit Value**	**06**	
7	**Total Marks**	**Max Marks 30+70**	

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**In the context of Indian Knowledge tradition-** 1. General introduction to Natyashastra. 2. General introduction to Sangeet Ratnakar. 3. General introduction to the ancient percussion instruments. **Activity-** Preparation of objective type questions related to the unit.	12 hr
II	1. A brief history of the origin of the tabla instrument. 2. Definitions of Dhwani, Swar, Saptak, Avartan. 3. General study of north Indian taal system and south Indian taal system. **Activity-** Group discussion on a topic related to unit.	12 hr

Dr. Nagesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)

III	1. Biography and musical contribution of the following musicians- Ut. Ahmad jaanthirkwa, Pt. Ramsahay, Ut. Habibuddeen khan, Pt. kudaoo singh. 2. Study of the merits and demerits of percussion instrument players. 3. Different dimensions of composition of musical programmes. **Activity-** To prepare a chart of important musical festivals of india.	12 hr
iv	1. Knowledge of notation to basic kaydas based on Tete and Tirkit Varnas in teentaal includinig paltas. 2. Knowledge of the taals of the course in dugun laya. 3. Music training in schools and its utility and the employment opportunities involved in it. **Activity-** Group discussion on employment opportunities inherent in music teaching.	12 hr
v	**Essay Writing –** 1. Guru- disciple tradition. 2. Folk music and classical music. 3. Importance of taals in Indian music. **Activity-** Discussion on the guru-disciple tradition of Indian music.	12 hr

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Author Surname, Initials "Book Title",Publisher's name. City/country of publication. year of publication. Edition No. if any
2. Sangeet visharad, Vasant, Laxmi Narayan publication, sangeet karyalaya hathras
3. Taal Parichay, Dr. Girischandra Shrivastava part-1 Sangeet sadan, South Mala ka Allahabad (U.P.)
4. Taal Parichay, Part-2 Dr. Girischandra Shrivastava part-1 Sangeet sadan, South Mala ka Allahabad (U.P.)

1. Suggestive Digital platforms web links

Suggested equivalent online Courses:

Part D- Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks: 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCF): 30 marks University Exam (UF)70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensiv Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presention	15 15
Internal Assessment : University Exam Section:70	**Section (A):** Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B):** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C):** Two Long Questions(500 Words Each)	03 x 03= 09 04 x 08 = 32 02 x 15 = 30 Total 70

Dr. Nagesh Kumar Tripathi
Deptt. of Music
T.R.S. College, Rewa (M.P.)